## SMT. K. CHELLAMMAL

Smt. K. Chellammal is an organic farmer from remote islands in South Andaman, Andaman & Nicobar Islands and has successfully developed an 8 Acre Organic Farm. She has been maintaining coconut based cropping system by effectively utilizing interspaces in her garden for growing different inter/Mixed crops in a sustainable and profitable manner and is Popularly known as "Naryal Amma".

2. Born on 6th February, 1957, Smt. Chellammal studied up to Class 6. She is always happy to share her experiences with other farmers. She gave training to more than 170 farmers of nearby villages. More than 200 farmers visited her farm from local and mainland and many farmers adopted her techniques. Agriculture Colleges and institutions depute students to her farm for study purpose also. She raises coconuts trees and improves her income by planting intercrops like cinnamon, black pepper, bay leafs, areca nut, elephant foot yam, betel leaf, ginger, turmeric, papaya, banana, chiko, heliconia flowers, marigold and other vegetables etc.

3. Smt. Chellammal has developed innovative ways to overcome the damage of coconut by rats, she made garlands of cotton balls by wetting in Gur/Jangary or sugar syrup and tied on the coconut trees. When rats climbs the palm, they chew the sweet cotton ball and swallow it which in turn suffocates their respiratory system. For pets and disease control, she adopts Integrated Pest Management (IPM) Strategy in which pheromones play a vital role in controlling the pest population. Beetles attracted by the RB-Lure fall into water in the bucket and get drowned. She adopts organic farming techniques like Jeevamruham, Panchagavya and adds green manure and farmyard manure for her farm. She promotes bee-keeping for pollination.

4. As a women, Smt. Chellammal bravely encountered problems and overcome difficulties while introducing innovation and new crops in Andaman. Her farm is a model farm for local and students of agriculture. Her farm is sustaining good income while keeping the productivity of crops and soil. She sees an exciting opportunity in Agro Tourism in Andaman. So she promotes Agro Tourism in her Farm. Now many tourists from local, mainland and international places have been visiting her farm.

5. Smt. Chellammal is the recipient of many awards and honours. She received National Award 2016-2018 as best coconut farmer from Coconut Development Board from Kerala, Innovative Farmer Award received from Pragati International Scientific Research Foundation, Meerut, India in the field of spices and flower farming in the year 2023, Best Farmer award in Kisan Mela organized by ICAR-CIARI Port Blair in year 2012, First Prize for Fruits, Flowers and Vegetable, organized by State Agriculture Department during the Island Tourism Festival 2014 and Progressive Best Farmer Award received from Central -Islands Agriculture Research Institute, Port Blair in the year 2016.

## श्रीमती के चेल्लम्माल

श्रीमती के. चेल्लम्माल, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के दक्षिण अंडमान के सुदूर द्वीपों की एक ऑर्गेनिक किसान हैं और उन्होंने सफलतापूर्वक 8 एकड़ का एक ऑर्गेनिक फार्म विकसित किया है। उन्होंने अपने बगीचे में टिकाऊ और लाभदायक तरीके से विभिन्न अंतर/मिश्रित फसलों को उगाने के लिए अंतर–स्थानों का प्रभावी तरीके से उपयोग करके नारियल आधारित फसल प्रणाली को बनाए रखा है और वह "नारियल अम्मा" के नाम से लोकप्रिय हैं।

2. 6 फरवरी, 1957 को जन्मी श्रीमती चेल्लम्माल ने कक्षा छह तक पढ़ाई की। वह हमेशा दूसरे किसानों के साथ अपने अनुभव साझा करने के लिए तैयार रहती हैं। उन्होंने आसपास के गांवों के 170 से अधिक किसानों को प्रशिक्षण दिया। स्थानीय और मुख्य भूमि के 200 से अधिक किसानों ने उनके खेत का दौरा किया और कई किसानों ने उनकी तकनीकों को अपनाया। कृषि कॉलेज और संस्थान अपने छात्रों को अध्ययन के मकसद से भी उनके खेत पर भेजते हैं। वह नारियल के पेड़ उगाती है और उन्होंने दालचीनी, काली मिर्च, तेजपत्ता, पान के पत्ते, रतालू, सुपारी, अदरक, हल्दी, पपीता, केला, चीकू, हेलिकोनिया फूल, गेंदा और अन्य सब्जियां जैसी अंतरफसलें लगाते हुए अपनी आमदनी बढ़ाई है।

3. श्रीमती चेल्लम्माल ने नारियल को चूहों से होने वाले नुकसान पर काबू पाने के लिए नवीन तरीके विकसित किए, उन्होंने रुई के गोलों को गुड़ या चीनी की चाशनी में भिगोकर उनकी माला बनाई और नारियल के पेड़ों पर बांधी। जब चूहे नारियल के पेड़ पर चढ़ते हैं, तो वे रुई के मीठे गोले को चबाकर निगल जाते हैं, जिससे उनका दम घुट जाता है। कीट और रोग नियंत्रण के लिए, वह आईपीएम रणनीति अपनाती हैं, जिसमें कीटों की संख्या को कम करने में फेरोमोन महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आरबी–ल्यूर से आकर्षित होकर कीड़े बाल्टी में भरे पानी में गिर कर डूब जाते हैं। वह जीवमृहम, पंचगव्य जैसी जैविक कृषि तकनीकों को अपनाती हैं और अपने खेत में हरित खाद और गोबर खाद का इस्तेमाल करती हैं। वह परागण के लिए मधुमक्खी पालन को प्रोत्साहित करती हैं।

4. एक महिला के रूप में, श्रीमती चेल्लम्माल ने अंडमान में नवाचार और नई फसलों की शुरुआत करने में आई समस्याओं का बहादुरी से सामना किया और कठिनाइयों पर काबू पाया। उनका खेत स्थानीय लोगों और कृषि के छात्रों के लिए एक मॉडल खेत है। उनका खेत फसलों और मिट्टी की उत्पादकता को बरकरार रखते हुए अच्छी आय अर्जित कर रहा है। उन्हें अंडमान में एग्रो टूरिज्म में एक उत्साहजनक अवसर दिखता है। इसलिए वह अपने खेत में एग्रो टूरिज्म को बढ़ावा देती है। अब स्थानीय, मुख्य भूमि और विदेशों के बहुत से पर्यटक उसके खेत को देखने आते हैं।

5. श्रीमती. चेल्लम्माल को कई पुरस्कार और सम्मान मिल चुके हैं। उन्हें केरल के नारियल विकास बोर्ड से सर्वश्रेष्ठ नारियल किसान का 2016–2018 का राष्ट्रीय पुरस्कार, वर्ष 2023 में मसालों और फूलों की खेती के क्षेत्र में प्रगति इंटरनेशनल साइंटिफिक रिसर्च फाउंडेशन, मेरठ, भारत का इनोवेटिव फार्मर अवार्ड, वर्ष 2012 में आईसीएआर–सीआईएआरआई पोर्ट ब्लेयर द्वारा आयोजित किसान मेले में सर्वश्रेष्ठ किसान पुरस्कार, द्वीप पर्यटन महोत्सव 2014 के दौरान कृषि विभाग द्वारा राज्य स्तर पर आयोजित फल, फूल और सब्जी के लिए प्रथम पुरस्कार, और वर्ष 2016 में केंद्रीय द्वीप कृषि अनुसंधान संस्थान, पोर्ट ब्लेयर की ओर से प्रगतिशील सर्वश्रेष्ठ कृषक पुरस्कार प्राप्त हुआ।